C-10

☐ Mon ☐ Tue ☐ Wed ☐ Thu ☐ Fri ☐ Sat ☐ Sun

> Date

Objectives of Special Education

विशेष शिक्षा के उद्देश्य —

भारत में विशेष बच्चों (दिव्यांग बच्चों) को अभिशाप के रूप में देखा जा रहा है। क्योंकि ऐसे बच्चें भारतीय समाज में ईश्वर की नाराजगी के रूप में देखे जाते हैं। प्रायः गरीब पस्त परिवार और समाज पर बोझ के समान देखते है। क्योंकि ऐसे बच्चें न तो घर और समाज का कल्याण कर सकते न अपने आप का। कई परिवार इनके जन्म लेते ही मरने की कामना करने लगते हैं। अतः ऐसे बच्चे परिवार और समाज पर बोझ न बने। उसके लिए ही विशेष शिक्षा Special Education की व्यवस्था की गई है। विशेष शिक्षा के कई उद्देश्य निर्धारित किये गये है जो निम्नलिखित है —

① दिव्यांग Handicapped बच्चों को आत्म-निर्भर बनाना।

② विद्यार्थियों में व्यक्तिगत सामाजिक भावी रोजगार की दक्षता व क्षमता का विकास करना।

③ जो दिव्यांग बच्चे मुख्य धारा से पिछड़ गये है उन्हे मुख्य धारा में जोड़ना।

Scanned with CamScanner

(4) दिव्यांग बच्चो को मुख्यधारा की कक्षा में दाखिले के लिए योजना और कार्यक्रम का निर्माण करना।

(5) विशिष्ट स्कूली बच्चों की शक्तियाँ powers एवं कमजोरियों weakness की पहचान करना।

(6) सामान्य कक्षाओं में भी विशिष्ट बच्चों के लिए पढ़ने लिखने की व्यवस्था करना।

(7) सामान्य कक्षाओं की शिक्षकों और छात्रों को दिव्यांग बच्चों की देखभाल के लिए मानसिक तौर पर तैयार करना।

(8) प्रत्येक विशिष्ट बच्चों की वर्तमान क्रियाकलापों का आकलन करना।

(9) विशिष्ट बच्चों के लक्ष्य का निर्धारण करना।

(10) बच्चों के लक्ष्य निर्धारण में माता-पिता की भागीदारी सुनिश्चित करना।

(11) विशिष्ट बच्चों के लिए शिक्षण अधिगम सामग्री का निर्माण करना।

Scanned with CamScanner

समेकित शिक्षा (Integrated Education)

कोठारी कमीशन ने यह सुझाव दिया कि शारीरिक रूप से अक्षम बालको को शिक्षा दया की दृष्टि से नही बल्कि उनके सदुपयोग के आधार पर देनी चाहिए।

* उचित शिक्षा देने से शारीरिक रूप से अक्षम बालक में आत्मविश्वास विकसित होता है तथा वह समाज का अपने आपको अभिन्न अंग मानता है।
* कमीशन ने आगे यह भी सुझाया की अक्षम अपंग बालक को शिक्षा देने का मूल उद्देश्य यह होना चाहिए कि बालक अपने आप को सामाजिक, सांस्कृतिक वातावरण में समायोजित कर सकें।
* इस बात का ध्यान रखा जाए कि उनकी शिक्षा किसी भी प्रकार से सामान्य बालको से अलग न रखा जाय।
* इस बात की आवश्यकता है कि वह 3RS Reading, Writing and Mathematics के साथ इसके क्षेत्र जैसे प्रैक्टिकल व्यक्ति सामाजिक सांस्कृतिक सम्बन्ध आदि में सामान्य बालको से पिछे ना रहे।
* इन्ही सब बातो को ध्यान में रखते हुए

Scanned with CamScanner

Date ☐ Mon ☐ Tue ☐ Wed ☐ Thu ☐ Fri ☐ Sat ☐ Sun

समेकित शिक्षा का प्रावधान रखा गया है। अब प्रश्न यह है कि समेकित शिक्षा क्या है?

समेकित शिक्षा का अर्थ :-

समेकित शिक्षा का तात्पर्य है क्षमता ग्रस्त बालकों को कुछ समय के लिए सामान्य बालको के साथ अन्तक्रिया का मौका देना जैसे - लंच टाईम में खेल के समय विभिन्न सामाजिक अवसरो पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के दौरान परन्तु उनका सम्पूर्ण शिक्षण कार्य अलग-अलग होता है।

यह इस मान्यता पर आधारित है कि यदि अक्षम बालक कुछ उपयुक्त सामाजिक व्यवहार सीख ले तब इसके पश्चात सामान्य कक्षा में भेजा जा सकता है यह विशेष शिक्षा से कहीं बेहतर विकल्प है।

* समेकित शिक्षा में बालको की विशेष आवश्यकताओं पर ध्यान दिया जाता है और अक्षम बालको में परिवर्तन किया जाता है ताकि वे सामान्य बालकों के साथ शिक्षा ग्रहण कर सकें।

समेकित शिक्षा से तात्पर्य सामान्य अर्थ में बच्चे के सामान्य स्कूल में जाने से है जबकि समावेशी

शिक्षा का अर्थ विद्यालय में बच्चे की पूर्ण भागीदारी से है।

* समेकित शिक्षा के अर्थ को निम्नलिखित प्रकार से भी समझा जा सकता है—

① विशेष प्रशिक्षण के पश्चात सामान्य कक्षा में भेजना।

② सामान्य बालको के साथ-साथ विशेष सेवाएँ प्रदान करना।

③ समय सारणी जो सामान्य बच्चों के लिए हो वही समय सारणी अक्षम बच्चो पर भी लागू करना।

④ अक्षम बच्चों को भी विद्यालय की अन्य गतिविधियों जैसे— संगीत कला, भ्रमण, सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा व्यायाम आदि में शामिल करना।

⑤ समर्थ बच्चों के समान असमर्थ बच्चों के लिए प्रबन्ध करना कि वह लाइब्रेरी, खेल के मैदान, प्रयोगशालाओं आदि को समान रूप से प्रयोग कर सकें।

⑥ व्यक्तिगत विभिन्नता के आधार पर

Scanned with CamScanner

एकीकृत शिक्षा

① सामान्य व विशिष्ट बालकों के लिए पूरे देश में एक शिक्षा समान शिक्षा लागू करना।

② एकीकृत शिक्षा को समलित शिक्षा भी कहा जाता है।

③ सामान्य एवं विशिष्ट बालकों को शिक्षा।

④ यह विशिष्ट शिक्षा का नवीन एवं प्रगतिशील स्वरूप है।

⑤ यह सामान्य शिक्षा के साथ विशिष्ट विधान है।

⑥ विशेष स्थिति में विशेष कक्षा की व्यवस्था।

⑦ विशिष्ट बालक एवं सामान्य बालक अलग नहीं।

समावेशी शिक्षा

① सामान्य व विशिष्ट प्रकार के बालकों को एक ही कक्षा कक्ष समान शिक्षा प्रदान करना।

② समावेशी शिक्षा को समावेशित शिक्षा भी कहा जाता है।

③ सामान्य और विशिष्ट बालकों को एक साथ शिक्षा देना होता है।

④ आधुनिक अवधारणा, सभी बालकों को एक साथ शिक्षा प्रदान करना

⑤ विशिष्ट अधिगम के नये आयाम।

⑥ विशिष्ट बालक एवं सामान्य बालकों को एक ही कक्षा एवं शिक्षक द्वारा शिक्षा ग्रहण करना

⑦ सभी बालों को एक साथ शिक्षा देना।

Scanned with CamScanner